पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने अम्बेडकर जयंती पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊः 14 अप्रैल, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर अम्बेडकर महासभा लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब को उनके चित्र और प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर तथा अस्थि कलश के दर्शन कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने इस अवसर पर श्री हरीश चन्द्रा, श्री जगत नारायन, श्री दयानंद निगम, सुश्री अर्चना आर्या तथा सुश्री अनामिका सिंह को शाल एवं प्रशस्ति पत्र देकर 'अम्बेडकर रत्न' से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि बाबा साहब ने दबे-कुचलों की आवाज उठाकर शिक्षा के माध्यम से स्वाभिमान को जगाया। हमें बाबा साहब के दिखाये हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लेना होगा। डॉ0 अम्बेडकर ने अपना पूरा जीवन समता एवं मानव सेवा के लिए समर्पित किया था। वे एक महान विद्वान, सच्चे देशभक्त, अर्थशास्त्री, राजनीति के अध्येता, विधिवेत्ता और इतिहासविद् थे। डॉ0 अम्बेडकर सही मायनों में संविधान के शिल्पकार थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब राष्ट्र को सर्वोपरि मानते थे। देश विरोध को वे बर्दाश्त नहीं करते थे और उसका प्रतिकार करते थे। केन्द्र सरकार द्वारा बाबा साहब की 125वीं जयंती के अवसर पर पूरे वर्ष उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा मुंबई में उनका एक भव्य स्मारक भी बन रहा है।

श्री नाईक ने कहा कि डॉ0 अम्बेडकर का जीवन प्रेरणा प्रदान करने वाला है। वे एक ऐसे युग दृष्टा थे जिन्हें किसी जाति अथवा पार्टी में नहीं बांधा जा सकता है। वे पूरे हिन्दुस्तान के नेता थे, जिसे उन्होंने अपने काम से सिद्ध किया। बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से आदर्श का निर्माण किया। भारत का संविधान श्रेष्ठ है और उसका अक्षरशः पालन होना चाहिए। वे हर समस्या का समाधान संवैधानिक ढंग से करने पर जोर देते थे। हमारी युवा पीढ़ी को उनके जीवन दर्शन का अध्ययन करना चाहिए। बाबा साहब के पवित्र मंच से संविधान के आधार पर जनतंत्र को मजबूत करने का काम करें। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लखनऊ में बाबा साहब का भव्य स्मारक निर्मित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संबंध में पूर्व में जो घोषणा की है उसके प्रति वह संकल्पबद्ध हैं।

कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (151/27)

भारतरत्न बोधिसत्व
साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर महासभा के
बाबा साहेब
भीमराव अम्बेडकर का
125
जन्मदिवस समारोह
तिथि एंव
: 14 अप्रैल 2016 प्रातः 9:00 बजे
स्थान –
महासभा परिसर,लखनऊ